web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

बधाई एवं अवकाश सूचना

सभी पाठकों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के अवसर पर न्याय साक्षी कार्यालय में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक अवकाश रहेगा। अगला अंक 4 नवंबर को प्रकाशित होगा।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 31 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 35

महत्वपूर्ण एवं खास

एयर इंडिया की 32 विमानों में बम की धमकी से मचा हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एयर इंडिया के 32 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे हवाई अड्डों पर हडक़ंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी विमानों की जांच की, लेकिन किसी में भी बम नहीं मिला। पिछले 15 दिनों में 400 से ज़्यादा विमानों को ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। ये धमकियां ज़्यादातर सोशल मीडिया के ज़रिए दी जा रही हैं। मंगलवार को एयर इंडिया के विमानों को निशाना बनाया गया। कुछ विमानों के टॉयलेट में धमकी भरे संदेश लिखे मिले, जबकि कुछ धमकियां ईमेल और सोशल मीडिया के ज़रिए भेजी गईं। धमकी मिलने के बाद एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जबकि बाकी विमानों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया गया। सभी विमानों की गहन जांच की गई और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है और सुरक्षा एजेंसियां इन झूठी धमकियों की जांच कर रही हैं।

स्पेन में बाढ़ से बर्बादी, 51 लोगों की मौत और हजारों बेघर

बार्सीलोना । स्पेन में भयानक बारिश और बाढ़ ने कहर ढा दिया है। इसकी चपेट में आकर कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई है और हजारों बेघर हो गए हैं। बाढ़ की चपेट में सैकड़ों मकान और दुकान ढह गए हैं। सैकड़ों कारें और अन्य वाहन पानी में बह गए हैं। स्पेन के प्राधिकारियों ने बुधवार को बताया कि देश में अचानक आयी बाढ़ में 51 लोगों की मौत हो गयी, कई कारें बह गयीं, गांवों में पानी भर गया तथा रेल लाइन व राजमार्ग अवरुद्ध हो गए। इससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। पूर्वी वेलेंशिया क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं ने मृतक संख्या की पुष्टि की है। हजारों लोगों को सुरक्षित ठिकानों की ओर स्थापित किया है। मुश्किल में फंसे अन्य लोगों को भी सुरक्षित ठिकानों की ओर ले जाया जा रहा है। स्पेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मंगलवार को मूसलाधार बारिश से बाढ़ आ गयी। रेल प्राधिकारियों ने बताया कि मलागा के समीप एक रेलगाड़ी पटरी से उतर गई जिसमें 300 लोग सवार थे। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ है। वेलेंशिया शहर और मैड्रिड के बीच हाई-स्पीड रेल सेवा बाधित है। बाढ़ में फंसे लोगों के लिए राहत और बचाव टीमें काम कर रही हैं। पुलिस और बचाव सेवाओं ने लोगों को घरों तथा कारों से बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया। बाढ़ से तबाह हुए इलाकों में स्पेन के आपात प्रतिक्रिया दलों के 1,000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया। स्पेन की केंद्र सरकार ने बचाव प्रयासों में मदद के लिए एक संकट समिति गठित की है। स्पेन की राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, देश में बृहस्पतिवार तक तूफान का असर बरकरार रहने का पूर्वानुमान है।

गाजा में इजरायल ने बरसाए बम, मच गई तबाही; मारे गए 88 लोग

दीर अल-बला । इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। गाजा में इजरायली सेना लगातार ताबड़तोड़ हमले कर रही है। इस बीच उत्तरी गाजा पट्टी में इजरायल की ओर से किए ताजा हवाई हमलों में कई महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 88 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। एक अस्पताल के निदेशक ने बताया कि जानलेवा चोटों से पीड़ित मरीजों का इलाज नहीं किया जा रहा है क्योंकि बीते सप्ताह के अंत में इजरायली बलों की छापेमारी के दौरान कई चिकित्सकों को हिरासत में ले लिया गया था। इजरायल ने हाल के हफ्तों में उत्तरी गाजा में हवाई हमले तेज कर दिए है और बड़ा जमीनी अभियान भी शुरू किया है। उसने कहा कि यह हमास के उन आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए है जो जंग के एक साल से अधिक समय बाद फिर से संगठित हो गए हैं। हाल ही में गाजा के एक अस्पताल ने इजरायल के सैनिकों ने हमास के 100 आतंकियों को पकड़ा था। जंग की वजह से उत्तरी गाजा में हजारों फलस्तीनियों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। गाजा तक पर्याप्त सहायता ना पहुंचने की वजह से मुश्किलों में और इजाफा हुआ है। इजरायल की संसद ने ऐसा कानून पारित किया है जिससे फलस्तीनी शरणार्थियों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को गाजा में सहायता प्रदान करना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत और चीन के सैनिक वापस लौटे, अपने-अपने सीमा क्षेत्रों में कर सकेंगे गश्त

श्रीनगर । आरएनएस

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी हो गई। इस प्रक्रिया के बाद दोनों देशों के सेनाओं ने एक-दूसरे की स्थिति का सत्यापन और बुनियादी ढांचे को खत्म करना शुरू कर दिया।

सूत्रों ने बताया कि देपसांग मैदानों और डेमचोक में अस्थायी ढांचों को हटाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और दोनों पक्षों की ओर से कुछ हद तक सत्यापन भी हो चुका है। सत्यापन प्रक्रिया भौतिक रूप से और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग करके की जा रही है।

इस समझौते के बाद दोनों देशों के सैनिक अपनी पिछली तैनाती वाली जगहों से पीछे हटकर तैनात हो गए हैं। अप्रैल 2020 से अब तक विवाद वाली जगहों पर 10 से 15 सैनिकों की छोटी टुकड़ियां गश्त करेंगी।

बता दें कि साढ़े चार साल पहले चीनी घुसपैठ के बाद से भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य गतिरोध बना हुआ है। इस मुद्दे पर भारत ने पिछले हफ्ते चीन के साथ डेपसांग प्लेन्स और डेमचोक में सैनिकों की गश्त को लेकर समझौता किया था। उसके चार दिन बाद दोनों देशों ने विवादित जगहों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। बीजिंग ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस समझौते के बाद चीनी और भारतीय सैनिकों ने अपने-अपने काम सुचारू रूप से शुरू कर दिए हैं।

सेना के सूत्रों ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद समझौते के अनुसार अगले दो दिनों में गश्त शुरू हो जाएगी। दोनों पक्षों को पहले से सूचित कर दिया जाएगा ताकि आपसी विवाद की स्थिति दोबारा पैदा न हो।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सैनिक अब डेपसांग के मैदानों में विवादित स्थानों पर गश्त कर सकेंगे। समझौते से पहले चीनी सैनिक भारतीय सीमा बल को गश्त करने के लिए उन क्षेत्रों में पहुंचने से रोक रहे थे। भारतीय सैनिक अब डेमचोक में ट्रैक जंक्शन और चारडिंग नाला पर गश्त कर सकेंगे।

हालांकि, साल 2020 में आपसी विवाद के बाद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक लद्दाख पहुंच गए थे। अब भारतीय सैनिक तब तक वहीं रहेंगे जब तक चीन के साथ सीमा पर गश्त को लेकर व्यापक सहमति नहीं बन जाती।

रक्षा सूत्रों ने कहा, जब तक आपसी विश्वास और सत्यापन का माहौल स्थापित नहीं हो जाता, तब तक निकट भविष्य में लद्दाख से किसी भी सैनिक के पीछे हटने की कोई योजना नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में भी इसी तरह की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है, जहां यांग्त्से, असाफिला और सुबनसिरी घाटियों में दोनों देशों के सैनिकों के बीच विवाद पैदा हो गया था।

एलएसी पर पीछे हटी भारत-चीन की सेना, दिवाली पर कराएंगे मुंह मीठा; जल्द शुरू होगी गश्त

पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन की सैन्य टुकड़ियों को अग्रिम मोर्चे से पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सूत्रों के अनुसार एलएसी पर दोनों देशों के सैन्य अधिकारी चार साल से अधिक की तनातनी के बाद मोर्चे पर तनाव शैथिल्य की खुशी में दिवाली के अवसर पर एक-दूसरे को मिठाइयों का आदान-प्रदान करेंगे। सूत्रों ने कहा, मोर्चे से पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। स्थानीय कमांडरों के स्तर पर बातचीत का सिलसिला जारी रहेगा। कल दोनों ओर से मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाएगा। लद्दाख सेक्टर में 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प के बाद से सीमा पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच स्थिति को शिथिल करने के लिये कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत चल रही थी। दोनों पक्षों ने हाल में भारत चीन सीमा पर अग्रिम मोर्चे से सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाने पर सहमति व्यक्त की जिसके तहत सेनाओं को पीछे हटाने का काम पूरा कर लिया गया है। दोनों पक्ष पहले की तरह एलएसी पर गश्त का सिलसिला जल्द ही शुरू करेंगे। ब्रिगेडियर और उससे नीचे के रैंक स्थानीय कमांडर गश्त के तौर-तरीकों को बातचीत से तय करेंगे। गौरतलब है कि गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत के गश्ती दल पर चीन की सैनिक टुकड़ियों ने धावा बोल दिया था और उसके बाद झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गये थे। चीन की सेना के भी जवान हताहत हुये थे लेकिन उनकी आधिकारिक तौर पर कोई संख्या नहीं बताई गई थी।

दिवाली पर बड़ा धमाका करने की तैयारी में थे अखनूर में ढेर आतंकी, सेना ने गोला-बारूद सहित बरामद कई सामान

अखनूर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के अखनूर क्षेत्र में बीते दिनों सुरक्षा बलोंने तीन आतंकवादियों को मार गिराया था। ये आतंकी दीपावली पर बड़ा धमाका करने की तैयारी में थे। आतंकियों के कब्जे से सेना ने भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की है। हथियारों के साथ सामान का इतना जखीरा मिलने से स्पष्ट है कि ये आतंकवादी लंबे समय तक जंग के इरादे से बड़ी साजिश के तहत आए थे। बरामद किए गए सामान में अत्याधुनिक हथियार जैसे एम-4 कार्बाइन,एके-47 राइफल और अन्य सामग्री शामिल है।

10 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल अफसर कमांडिंग मेजर जनरल समीर श्रीवास्तव ने बताया कि आतंकवादी बड़े हमले की तैयारी के साथ आए थे। हमें लगातार जानकारी मिली थी, वे एक इलाके में घिरे हुए थे और उन पर नजर रखने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया। मेजर जनरल श्रीवास्तव ने कहा कि आतंकवादी एक सुरक्षा काफिले को निशाना बनाने के इरादे से अंदरूनी इलाकों से इलाके में आए थे, लेकिन त्वरित कार्रवाई से साजिश विफल कर दी गई।

अधिकारी ने कहा कि जिस क्षेत्र में आतंकवादी छिपे हुए थे, वहां 30 डिग्री का ढलान और घने जंगल थे। हम इस बात पर भी जोर देना चाहते हैं कि भारतीय सेना एक प्रोफेशनल फोर्स है और मारे गए आतंकवादी के पार्थिव शरीर का कोई अनादर नहीं किया गया, सेना अधिकारी ने यह भी कहा कि आतंकवादी इस क्षेत्र से अच्छी तरह वाकिफ थे।

बता दें कि 28 अक्टूबर को अखनूर में सेना की एक एंबुलेंस पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी थी। ये हमला जोगवान एरिया में हुआ था। इसके बाद अखनूर सेक्टर के कैरी बटल इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई और सेना ने तीन आतंकियों को मार गिराया।

प्रेम प्रसंग में हुआ खूनी संघर्ष, सोते समय 3 महिलाओं समेत 5 की हत्या; महिला और बच्चों को बनाया बंधक

सुंदरगढ़ । आरएनएस

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार की रात खौफनाक घटना सामने आई है। यहां प्रेम प्रसंग को लेकर हुई झड़प में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं चार लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे वजह प्रेम-प्रसंग थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि महाराष्ट्र के घुमंतू समूह के अविनाश पवार नाम के व्यक्ति का स्थानीय लोगों के साथ विवाद हो गया। पवार ने दो शादियां की थीं और दोनों ही शादियों से उसके बच्चे हैं।स्थानीय लोगों के साथ अविनाश का प्रेम-प्रसंग को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि हिंसक झड़प शुरू हो गई।

रात करीब 11 बजे जब घुमंतू समुदाय के लोग सोए हुए थे, उसी दौरान हमलावरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि अविनाश और एक अन्य महिला घायल हो गई। इसके बाद हमलावरों ने घटनास्थल से भागकर अविनाश की दूसरी पत्नी और दो बच्चों को बंधक बना लिया।

आदिवासी समुदाय के दो समूहों के बीच सामूहिक झड़प की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि घटनास्थल पर तीन महिलाएं और दो पुरुष मृत मिले हैं। इस घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस टीम हमलावरों का पता लगाने और उन्हें पकडऩे के लिए छापेमारी कर रही है।

पश्चिमी डीआईजी और सुंदरगढ़ एसपी ने स्थिति की निगरानी और मामले की जांच के लिए सुंदरगढ़ जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। पुलिस हमलावरों को पकडऩे और बंधकों को छुड़ाने के लिए छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यहां काम के सिलसिले में आए कुछ आदिवासी इस घटना में शामिल हो सकते हैं। हम इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

दीपावली पर देशवासियों को बड़ी सौगात, नहीं बढ़ेंगे डीजल-पेट्रोल के दाम

नई दिल्ली । आरएनएस

दीपावली पर तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल पंप डीलरों को बड़ी सौगात दी है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल पंप डीलरों को कमीशन बढ़ाने का फैसला किया है। यह 30 अक्टूबर से लागू होगा।

तेल कंपनियों ने कहा है कि डीलरों का कमीशन बढ़ाने के बाद भी डीजल-पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ेंगे। इंडियन ऑयल ने दूरदराज के स्थानों में स्थित उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए अंतरराज्यीय माल ढुलाई को सुगम बनाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस फैसले पर खुशी जाहिर की है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, धनतेरस के शुभ अवसर पर तेल कंपनियों द्वारा पेट्रोल पंप डीलरों को दी गई

बड़ी सौगात का हार्दिक स्वागत। 7 वर्षों से चली आ रही डिमांड पूरी हुई। उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, लेकिन पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। तेल कंपनियों द्वारा दूरदराज स्थानों (तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल डिपो से दूर) पर स्थित उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए अंतर-राज्य माल ढुलाई को युक्तिसंगत बनाने का भी निर्णय किया गया है, जिसका मैं स्वागत करता हूं। इसके परिणामस्वरूप देश के कई हिस्सों में पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आएगी।

उन्होंने लिखा कि, चुनाव वाले राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णय बाद में लागू किया जाएगा। यह फैसला नागरिकों को सुविधाओं के मामले में दूर-दराज के क्षेत्रों को भी देश के बाकी हिस्सों के बराबर लाने के पीएम मोदी के लक्ष्य को दर्शाता है। जैसे कि उत्तर पूर्व क्षेत्र, जिसे विश्व स्तरीय सडक़, वायु और रेल बुनियादी ढांचे से जोड़ा जा रहा है। उदाहरण के लिए ओडिशा के मलकानगिरी के कुनानपल्ली और कालीमेला में पेट्रोल की कीमत 4.69 और 4.55 रुपये कम हो जाएगी और डीजल की कीमत क्रमश: 4.45 और 4.32 रुपये कम हो जाएगी। इसी तरह छत्तीसगढ़ के सुकमा में पेट्रोल की कीमत में 2.09 रुपये और डीजल की कीमत में 2.02 रुपये की कमी आएगी।

पुरी ने आगे लिखा कि, डीलर कमीशन में वृद्धि से लगभग 7 करोड़ नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, पिछले 7 वर्षों से लंबित इस मांग के पूरा होने से पेट्रोल पंप डीलर्स और देशभर के 83,000 से अधिक पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले लगभग 10 लाख कर्मचारियों के जीवन में खुशी और खुशहाली आएगी। इन ऐतिहासिक निर्णयों का मार्ग मोदी सरकार और सभी पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशनों द्वारा लिए गए सकारात्मक निर्णयों से प्रशस्त हुआ, जो पिछले कुछ महीनों के दौरान हमारी बैठकों में एक साथ आए और विपणन अनुशासन दिशानिर्देशों (एमडीजी) से संबंधित मुद्दे और सभी लंबित अदालती मामलों को वापस लेने पर सहमत हुए।

डीजिटल अरेस्ट और साईबर फ्रॉड पर बड़ा एक्शन, गृह मंत्रालय ने गठित की हाई लेवल कमेटी

नई दिल्ली । आरएनएस

देश में बढ़ते साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के मामलों को लेकर गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बुधवार को एक हाई लेवल कमेटी गठित की है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्रालय के आंतरिक सुरक्षा सचिव इस कमेटी को मॉनिटर कर रहे हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 115वें एपिसोड में देशवासियों को 'डिजिटल अरेस्ट' को लेकर सजग रहने की नसीहत दी थी। साथ ही उन्होंने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए 'रुको-सोचो-एक्शन लो' का मंत्र भी दिया था।

पीएम मोदी की नसीहत के बाद गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया। डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड से निपटने के लिए एक हाई लेवल कमेटी गठित की गई है। बताया जा रहा है कि डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं पर लगाम लगाने लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सूत्रों की मानें तो डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं पर तत्काल एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा गृह मंत्रालय के 14सी विंग ने सभी राज्यों की पुलिस से संपर्क भी किया है। एमएचए का 14सी विंग डिजिटल अरेस्ट पर केस-टू-केस मॉनिटर करेगा।

ज्ञात हो कि इस साल डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी 6,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई है। गृह मंत्रालय के साइबर विंग ने अब तक 6 लाख मोबाइल को ब्लॉक किया है। ये सभी फोन साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं में शामिल थे। इसके अलावा 14सी विंग ने अब तक 709 मोबाइल एप्लिकेशन को भी ब्लॉक किया है।

भगवान रामलला के मंदिर में मुख्यमंत्री योगी ने जलाए श्रद्धा के दीप

अयोध्या । आरएनएस

22 जनवरी 2024 को रामलला 500 वर्ष बाद अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इसके बाद बुधवार को पहला दीपोत्सव हुआ, जब रामलला स्वयं के महल में विराजमान होकर अपनी नगरी को अपलक निहारते रहे।

अयोध्या का सौंदर्य देख रामलला खुद भी भाव-विह्वल हो उठे। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव में राम मंदिर की अनुपम छटा हर किसी को आह्लादित कर रही थी।

रामलला की मौजूदगी में बुधवार को पहला दीपोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम श्रीराम मंदिर भी पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी ने सर्वप्रथम मर्यादा

पुरुषोत्तम श्रीराम के दर्शन किए, फिर उनके चरणों में श्रद्धा निवेदित की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री योगी ने प्रभु के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किए। बाहर भी मुख्यमंत्री ने पांच-पांच दीप जलाए। वहीं, मंदिर प्रांगण में हजारों दीप प्रज्ज्वलित किए गए।

अयोध्या में सरयू नदी के किनारे भव्य दीपोत्सव समारोह देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान सरयू नदी के किनारे घाटों को रोशन करने के लिए 25 लाख दीये जलाए जा रहे हैं।

श्रीराम मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्र मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा : मुख्यमंत्री योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आठवें दीपोत्सव के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा है। यह वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक है, जब इस वर्ष 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके एक बार फिर रामलला अपने धाम में विराजमान होकर दुनिया के सभी पीड़ितों को ये संदेश दे गए कि कभी भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरी दुनिया ने हमारी संस्कृति को जाना है। सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है, जिसने सभी को अपने सीने से लगाया। यह धर्म किसी से नफरत नहीं करता है।

उन्होंने कहा कि आज हमारे पास यह अवसर है, उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का, जिनका पूरा जीवन राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित था। मैं इस अवसर पर उन सभी पूज्य संतों को नमन करता हूं, जो 3.5 लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर एक ही तमन्ना के साथ इस धरा से अलविदा हो गए कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। उनका संकल्प पूरा हुआ। रामलला के विराजमान होने के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। इससे पहले हम लोग बोलते थे और जो हमने कहा वो करके भी दिखाया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिस तरह की भव्यता आज अयोध्या में है, वैसी ही भव्यता काशी और मथुरा में हो। देश की हर धार्मिक नगरी में उत्सव जैसा माहौल हो। हम भेदभाव नहीं करते। हम भाषा, जाति और मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करते। राजा राम के गद्दी पर बैठने के बाद जो हुआ था, वही कर रहे हैं। आज उसी तर्ज पर श्रेष्ठ भारत जन्मा है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां पहले राम के नाम पर प्रश्न खड़ा करती थी। अब पूरी दुनिया राम को मान रही है।